राष्ट्रीय संस्करण

अपने कप्तान कोहली को पछाड़ने के करीब रोहित

>>13

वर्ष 3 अंक 28

दैनिक जागरण

मूल्य ₹5.00, नई दिल्ली, सोमवार, 8 जुलाई 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 14

सरोकार

वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम ने जलसंकट से बचाया

सागर : मध्य प्रदेश के बस्ती नारायणपुरा के लोग हर साल जलसंकट का सामना करते थे। यहां बने सरकारी छात्रावास के अधीक्षक नागेंद्र चौधरी ने छात्रावास के रख-रखाव के लिए मिले बजट से कुछ राशि बचाई और वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाया। (पेज-13)

जागरण विशेष

विषधर का जहर सोख लेगा संतरा

आसनसोल : खट्टे-मीठे स्वाद और पौष्टिकता के साथ संतरे की एक और भी विशेषता है, जिससे दुनिया अभी तक अनजान थी। प्राणि विज्ञान के व्याख्याता डॉ. शुभमय पांडा के शोध से पता चला है कि संतरे का रस सांप के जहर को सोख लेता है। (पेज-13)

कर्नाटक सरकार बचाने के लिए कांग्रेस और जदएस ने झोंकी ताकत

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

गिरने के कगार पर खड़ी कर्नाटक की कांग्रेस-जदएस गठबंधन सरकार को बचाने के लिए कांग्रेस नेतृत्व ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इस्तीफा देने वाले विधायकों को मनाने के साथ ही धमकाने की कोशिशें हो रही हैं। कांग्रेस ने नौ जुलाई को विधायक दल की बैठक बुलाई है और उसमें सभी के शामिल होने को लेकर सर्कुलर भी जारी किया है। बैठक में नहीं आने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी है। वहीं, अपनी सरकार पर मंडराते संकट के बीच रविवार को अमेरिका से लौटे मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने भी जदएस के इस्तीफा देने वाले बागी विधायकों की इसी तरह की बैठक बुलाने के संकेत दिए हैं।

उन्होंने बेंगलुरु पहुंचते ही पार्टी सुप्रीमो और अपने पिता एचडी देवगौड़ा, पीडब्ल्यूडी मंत्री और अपने बड़े भाई एचडी रेवन्ना के साथ हालात पर चर्चा की। सोमवार को वह कांग्रेस नेताओं से मुलाकात करेंगे। यही नहीं दोनों ही दल सरकार गिरने की स्थिति में विधानसभा भंग कराने के विकल्प पर भी गौर कर रहे हैं।

कांग्रेस और जेडीएस के विधायकों के इस्तीफे से विधानसभा में बहुमत खोने के करीब पहुंची कुमारस्वामी सरकार को बचाने के लिए कांग्रेस ने प्रभारी महासचिव केसी वेणुगोपाल के अलावा वरिष्ठ नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को भी बेंगलुरु में तैनात कर दिया। मगर कांग्रेस के संकटमोचक रणनीतिकारों के संपर्क साधने से पहले ही इस्तीफा देने वाले कांग्रेस और जदएस के 10 विधायक चार्टर्ड विमान से शनिवार रात ही मुंबई के लिए उड़ गए। कांग्रेस के अनुसार भाजपा के एक राज्यसभा सदस्य की कंपनी के चार्टर्ड विमान से इन विधायकों को मुंबई भेजा गया और वहां उनसे संपर्क नहीं करने दिया जा रहा है। खड़गे और वेणुगोपाल के साथ कर्नाटक में कांग्रेस के सबसे बड़े संकटमोचक रहे कुमारस्वामी सरकार में मंत्री डीके शिवकुमार को एक बार फिर विधायकों को वापस लाने का जिम्मा सौंपा गया है। अशोक चव्हाण समेत महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को भी कर्नाटक के बागी विधायकों से किसी तरह संपर्क साध वापस लाने के लिए कहा गया है।

- इस्तीफा देकर मुंबई गए विधायकों को मनाने-धमकाने की दोहरी रणनीति
- सीएम कुमारस्वामी ने देवगौड़ा और पीडब्ल्यूडी मंत्री के साथ की मंत्रणा
- कांग्रेस ने नौ जुलाई को बुलाई अपने विधायकों की बैठक

कर्नाटक में कांग्रेस और जदएस के कुछ विधायकों द्वारा इस्तीफा दिए जाने के बाद राजनीति गरमा गई है। इस्तीफा देने वाले विधायक मुंबई पहुंच गए हैं और रविवार को सोफीटेल होटल में ठहरे तथा मीडिया से भी मुखातिब हुए। प्रेट्र

कांग्रेस के सूत्रों ने कहा कि नौ जुलाई की बैठक में इस्तीफा देने वाले कांग्रेस विधायक नहीं लौटते हैं तो फिर कर्नाटक की सत्ता सियासत को लेकर कांग्रेस-जदएस कड़े निर्णायक फैसले के विकल्प पर भी गौर कर सकते हैं। इसमें कुमारस्वामी सरकार के औपचारिक रूप से अल्पमत में आने से पूर्व कैबिनेट से विधानसभा भंग करने के प्रस्ताव का भी एक विकल्प होगा। कांग्रेस-जदएस की सरकार बचाने की अंतिम कोशिशों के इन संकेतों से साफ है कि इस्तीफा देने वाले दोनों दलों के विधायकों के इस्तीफे पर कर्नाटक विधानसभा के स्पीकर नौ जुलाई तक कोई फैसला नहीं लेंगे। वैसे भी स्पीकर केआर रमेश कुमार ने नौ जुलाई को अपने ऑफिस जाने पर ही विधायकों के इस्तीफा का मामला देखने की बात कही है। मालूम हो कि इन विधायकों ने अपना इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय जाकर सौंपा था, मगर उस दौरान रमेश कुमार अपने ऑफिस में मौजूद नहीं थे।

सरकार बचाने की कोशिशों के तहत बेंगलुरु में रविवार को कांग्रेस विधायक दल के नेता सिद्दरमैया, खड़गे, वेणुगोपाल, डीके शिवकुमार आदि के बीच दूसरे विकल्पों पर भी चर्चा हुई। शिवकुमार और कुछ कांग्रेस नेताओं ने जदएस प्रमुख व पूर्व पीएम एचडी देवेगौड़ा से भी रविवार को मंत्रणा की। इस बात पर दोनों दलों में सहमति बनी है कि इस्तीफा देने वाले कुछ विधायकों को मंत्री बनाकर संकट दूर करने का कदम उठाया जाए। इसके लिए दोनों पार्टियां अपने-अपने कोटे के मौजूदा कुछ मंत्रियों का इस्तीफा लेंगी। मगर मंत्रिमंडल का विस्तार कर सरकार पर मंडाराते खतरों को टालने का विकल्प दोनों पार्टियों के लिए तभी खुलेगा जब इस्तीफा देकर मुंबई फुर्र हो चुके विधायक वापस लौटने को राजी हों।

विधायकों के इस्तीफे के पीछे सिद्दरमैया का 'खेल' : भाजपा पेज>>3

बड़ा बदलाव ▸ बजट में नई शिक्षा नीति को लागू करने की घोषणा के बाद तेज हुई हलचल

तीन साल की होगी प्राथमिक शिक्षा

प्राथमिक शिक्षा में सिर्फ तीसरी, चौथी और पांचवी कक्षा को रखा जाएगा

अरविन्द पांडेय, नई दिल्ली

देश में स्कूली शिक्षा के ढांचे में बड़ा बदलाव करने की तैयारी है। इस बार केंद्रीय बजट में सरकार ने इसका इरादा भी जता दिया है। केंद्र द्वारा प्रस्तावित नई शिक्षा नीति लागू होने से देश में स्कूली शिक्षा का 50 साल पुराना ढांचा पूरी तरह से बदल जाएगा। बजट के बाद से इसे लेकर हलचल बढ़ी हुई है।

नई नीति के लागू होने से जो बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे, उनमें स्कूली शिक्षा में फाउंडेशन स्तर के एक नए शिक्षाक्रम की शुरुआत शामिल है। इसमें प्री-प्राइमरी से दूसरी कक्षा तक की पढ़ाई शामिल होगी। प्राथमिक (प्राइमरी) शिक्षाक्रम में केवल तीसरी, चौथी और पांचवीं को रखा जाएगा। स्कूली शिक्षा का मौजूदा ढांचा 1968 में तैयार किया गया था।

नई शिक्षा नीति के प्रस्तावित मसौदे में स्कूली शिक्षा के ढांचे में बदलाव के इस लक्ष्य को 2022 तक हासिल करने की बात कही गई है। सरकार का कहना है कि इससे स्कूली शिक्षा में रटने-रटाने का चलन खत्म होगा और बच्चों में आवश्यक ज्ञान, मूल्य, रुझान, हुनर और

केंद्र सरकार ने नई शिक्षा नीति लागू करने की प्रतिबद्धता बजट में भी दोहराई है। फाइल फोटो

कौशल जैसे तार्किक चिंतन, बहुभाषी क्षमता और डिजिटल साक्षरता जैसे विषयों के विकास में मदद मिलेगी।

नीति में स्कूली शिक्षा के ढांचे में बदलाव की जो और बड़ी सिफारिशें की गई हैं, उनमें स्कूली शिक्षा का तीसरा क्रम माध्यमिक स्तर का होगा, जो तीन साल का होगा और इनमें कक्षा छह, सात और आठ को शामिल किया जाएगा। वहीं चौथा क्रम उच्च या सेकेंडरी स्तर का होगा, जो चार वर्ष का होगा। इसमें नौवीं, दसवीं, ग्यारहवीं और बारहवीं की पढ़ाई शामिल होगी।

स्कूली शिक्षा में प्रस्तावित फाउंडेशन शिक्षा पांच सालों की होगी। इसमें तीन साल प्री-प्राइमरी और दो साल में पहली और दूसरी की पढ़ाई होगी। नीति के मुताबिक, बदलाव की यह सिफारिश मौजूदा दौर में बच्चों की उम्र और उनकी जरूरतों के लिहाज से तय की गई है।

प्रस्तावित ढांचा

- पांच वर्षों की बुनियादी शिक्षा (फाउंडेशन स्टेज) : इसमें तीन वर्ष प्री-प्राइमरी तथा पहली व दूसरी कक्षा होगी शामिल।
- प्राथमिक (प्राइमरी) शिक्षा तीन वर्ष की होगी : इसमें कक्षा तीन, चार और पांच को रखा जाएगा।
- तीन वर्ष की होगी माध्यमिक शिक्षा, इसमें कक्षा छह, सात और आठ को शामिल किया जाएगा।
- उच्च या सेकेंडरी शिक्षा : यह चार वर्षों की होगी। इसमें कक्षा नौ, 10, 11 और 12 को जगह मिलेगी।

ऐसा है मौजूदा स्वरूप

- प्राथमिक स्तर : कक्षा एक से लेकर पांच तक।
- उच्च प्राथमिक स्तर : कक्षा छह से लेकर आठ तक।
- माध्यमिक स्तर : कक्षा नौ और दस।
- उच्च माध्यमिक या इंटरमीडिएट स्तर : ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा।

दुनिया में अलग-अलग हैं शिक्षा नीतियां

हर देश में बच्चों को शिक्षा देने के लिए अलग नीति होती है। आइये जानते हैं अमेरिका, चीन और जापान की शिक्षा व्यवस्था के बारे में :

चीन : चीन में बच्चों की पढ़ाई की शुरुआत छह साल की उम्र से होती है। बच्चे 12 साल की उम्र में प्राथमिक शिक्षा पूरी करते हैं। इसके बाद तीन साल की शिक्षा जूनियर सेकेंडरी कहलाती है।

अमेरिका : अमेरिका में अलग-अलग प्लान के आधार पर पढ़ाई की जाती है। इसमें 6-3-3 प्लान, 8-4 प्लान, 6-6 प्लान शामिल हैं। 6-3-3 प्लान में पहले छह साल प्राइमरी स्कूल, 7 से 9 जूनियर हाईस्कूल और 10 से 12 सीनियर हाईस्कूल होता है। पढ़ाई शुरू करने की उम्र छह साल है।

जापान : यहां की शिक्षा नीति काफी हद तक चीन जैसी है। छह साल की उम्र से शुरू होकर 12 साल की उम्र तक प्राइमरी की पढ़ाई होती है। फिर तीन-तीन साल जूनियर सेकेंडरी और हाई सेकेंडरी की पढ़ाई होती है।

राहुल की युवा ब्रिगेड के तीन नेताओं ने दिया इस्तीफा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष पद से राहुल गांधी के इस्तीफे के बाद अब पार्टी नेताओं के इस्तीफे का सिलसिला शुरू हो गया है। पश्चिम उत्तर प्रदेश के प्रभारी कांग्रेस महासचिव ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी चुनाव में पार्टी की हार की जिम्मेदारी लेते हुए अपना त्यागपत्र कांग्रेस अध्यक्ष को भेज दिया है। राहुल की युवा ब्रिगेड के सदस्य मिलिंद देवड़ा ने मुंबई कांग्रेस का अध्यक्ष पद छोड़ने का ऐलान किया है। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष केशव चंद्र यादव ने भी इस्तीफा दे दिया है। वहीं, वरिष्ठ नेताओं के बीच पार्टी के नए अध्यक्ष के चेहरे को लेकर गहन चर्चा का दौर जारी है।

सूत्रों के अनुसार कांग्रेस अध्यक्ष के चयन को लेकर वरिष्ठ नेताओं के बीच अनौपचारिक चर्चाओं के तीन दौर हो चुके हैं। शनिवार को सबसे गंभीर मंत्रणा हुई। इस बैठक में एके एंटनी और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के अलावा सभी वरिष्ठ नेता मौजूद थे जिनमें मल्लिकार्जुन खड़गे, गुलाम नबी आजाद, अहमद पटेल, आनंद शर्मा, मुकुल वासनिक, रणदीप सुरजेवाला शामिल हैं। पार्टी नेताओं का यह समूह राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह से भी नए नेतृत्व के चेहरे को लेकर लगातार चर्चा कर रहा है। राहुल गांधी का इस्तीफा स्वीकार कर नए अध्यक्ष की नियुक्ति के लिए कार्यसमिति की बैठक इसी सप्ताह बुलाए जाने के संकेत हैं। इसीलिए राहुल गांधी के प्रति निष्ठा दिखाते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ट्वीट के जरिये अपने इस्तीफे का ऐलान किया। हालांकि मीडिया को दिए अपने एक संक्षिप्त बयान में सिंधिया ने कहा कि भले ही खुलासा आज किया है मगर वे अपना इस्तीफा कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को आठ-दस दिन पहले ही भेज चुके थे।

- ज्योतिरादित्य सिंधिया, मिलिंद देवड़ा और केशव ने अपने-अपने पद छोड़े

मिलिंद देवड़ा ने भी मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष पद से रविवार को इस्तीफा दे दिया। मिलिंद को लोकसभा चुनाव के दौरान ही अभी कुछ दिनों पहले ही यह पद सौंपा गया था। हालांकि मिलिंद ने कहा है कि कांग्रेस को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत बनाने में भूमिका निभाने के लिए उन्होंने मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष पद छोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को देखते हुए स्थानीय इकाई का नेतृत्व तीन सदस्यीय पैनल को सौंपने का प्रस्ताव किया है। भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष पद से शनिवार को इस्तीफा देने वाले केशव चंद यादव भी राहुल गांधी की टीम के हिस्सा रहे हैं।

कांग्रेस के सियासी बवंडर में टीम राहुल का भविष्य अधर में पेज>>3

न्यूज गैलरी

सिटी न्यूज ▸ पृष्ठ 2

डीयू की ऑनलाइन परीक्षा के दौरान केंद्र में लगी आग

नई दिल्ली : दिल्ली विश्वविद्यालय में बीएलएड कोर्स में दाखिले के लिए ओल्ड पालम रोड स्थित परीक्षा केंद्र में ऑनलाइन टेस्ट के दौरान आग लग गई। इसके तुरंत बाद चारों तरफ धुआं फैल गया। परीक्षा केंद्र के बाहर खड़े अभिभावक छात्राओं को देखने केंद्र के ऊपरी फ्लोर पर पहुंचे और उन्हें लेकर नीचे की ओर भागे।

राज-नीति ▸ पृष्ठ 3

राजद ने बदली अपने सामाजिक न्याय की सियासी परिभाषा

पटना : मान-मनौव्वल के बाद तेजस्वी यादव को राजी करके राजद ने आंतरिक तौर पर बहुत कुछ बदलने का संकेत दिया है। सबसे बड़ा बदलाव सामाजिक न्याय के लिए संघर्ष के संकल्पों में दिख रहा है। आर्थिक आधार पर गरीब सवर्णों के आरक्षण का प्रबल विरोधी राजद ने अपने राजनीतिक एजेंडे से इसे पूरी तरह दूर रखा है।

नेशनल न्यूज ▸ पृष्ठ 7

मानसून ने दूर की किसानों की मायूसी, गर्मी से भी राहत

नई दिल्ली : सूखे की आशंका झेल रहे बिहार में रविवार को दक्षिण-पश्चिम मानसून की सक्रियता ने राहत दी है। इससे किसानों के चेहरे पर खुशी लौटी है। वहीं, लोगों को गर्मी से भी राहत मिली है। ऐसा ही हाल उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश का भी है। उत्तराखंड में तो भारी मात्रा में मलबा आने से गंगोत्री हाईवे करीब 12 घंटे तक बंद रहा।

बिजनेस ▸ पृष्ठ 10

आयुर्वेद से भी दुनिया पर धाक जमाएगा भारत

नई दिल्ली : योग के बाद आयुर्वेद भी अब विश्व पर भारत की धाक का जरिया हो सकता है। दुनियाभर में प्राकृतिक चिकित्सा की तरफ बढ़ते रुझान को देखते हुए सरकार अब आयुर्वेद को जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के प्रभावी इलाज के रूप में पेश करने की तैयारी में है।

परमाणु समझौते को तोड़कर यूरेनियम संवर्धन की सीमा बढ़ाएगा ईरान

तेहरान, एपी : ईरान ने एलान किया है कि वह यूरेनियम संवर्धन की सीमा बढ़ाएगा। ऐसा करते हुए वह एक बार फिर 2015 में वैश्विक शक्तियों के साथ हुए परमाणु समझौते की शर्तों का उल्लंघन करने की तैयारी में है। ईरान के इस कदम से अमेरिका के साथ उसकी तनातनी और बढ़ सकती है। अधिकारियों का कहना है कि समझौते की शर्तों के उल्लंघन का यह कदम अगले 60 दिन में उठाया जाएगा।

यूरेनियम संवर्धन की सीमा बढ़ाने की बात कहते हुए समझौते के उल्लंघन की तैयारी के साथ-साथ ईरान ने समझौता बचाने के लिए बातचीत का संकेत भी दिया है। ईरान के उप विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा कि यूरोपीय देशों के साथ बातचीत चल रही है। इस महीने के आखिर तक मंत्रीस्तरीय बातचीत की योजना है। शनिवार को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी से फोन पर बात भी की थी। उन्होंने 15 जुलाई तक ईरान और अन्य पश्चिमी देशों के बीच बातचीत शुरू कराने का रास्ता तलाशने की बात कही है।

- इस कदम से ईरान-अमेरिका के बीच तनाव गहराने की आशंका
- 2015 में हुआ परमाणु समझौता विफल होने के कगार पर पहुंचा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल अमेरिका को इस समझौते से बाहर करते हुए ईरान पर प्रतिबंध लगा दिए थे। इसके ठीक सालभर बाद ईरान ने यूरेनियम संवर्धन की सीमा बढ़ाने की बात कही है। पिछले कुछ हफ्तों में ईरान ने यूरोपीय देशों को कई बार चेताया है कि अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण समझौता प्रभावहीन हो गया है। ऐसे में ईरान इस समझौते से निकलने पर विचार कर रहा है। यूरोपीय देश अमेरिकी प्रतिबंधों को निष्प्रभावी करने की दिशा में ईरान को कोई बेहतर विकल्प नहीं दे पाए हैं। ऐसे में इस लड़खड़ाते समझौते के बने रहने की उम्मीदें कम होती जा रही हैं। समझौते के तहत ईरान को यूरेनियम का संवर्धन केवल 3.67 फीसद तक करने की अनुमति है। इस सीमा तक संवर्धित यूरेनियम का इस्तेमाल परमाणु बिजली बनाने में किया जा सकता है। परमाणु बमों के लिए यूरेनियम को ज्यादा संवर्धित करना पड़ता है।

परमाणु शक्ति पर निगाह रखने वाली संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने ईरान के कदमों पर निगाह रखने की बात कही है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने बताया कि जैसे ही यूरेनियम संवर्धन सीमा बढ़ाने संबंधी ईरान के कदमों की पुष्टि होगी, एजेंसी के स्थानीय अधिकारी वियना स्थित मुख्यालय को सूचित करेंगे।

इजरायल ने की और प्रतिबंधों की पैरवी पेज>>11

मॉब लिंचिंग में मारे गए पहलू खान मामले की दोबारा जांच कराएगी गहलोत सरकार

जागरण संवाददाता, जयपुर

उन्मादी भीड़ की हिंसा (मॉब लिंचिंग) में मारे गए पहलू खान मामले की राजस्थान सरकार दोबारा जांच कराएगी। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए पुलिस ने कोर्ट में याचिका दायर कर फिर से जांच की जरूरत बताई है। अलवर पुलिस अधीक्षक (एसपी) देशमुख परिश अनिल ने बताया कि पहलू खान के दोनों बेटों इरशाद और आरिफ ने पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के समक्ष पेश होकर बताया था कि वे गायों को तस्करी के लिए नहीं बल्कि अलवर जिले के टपूकड़ा अपने रिश्तेदार के यहां बेचने के लिए ले जा रहे थे। गाय दुधारू थी, इसलिए गोतस्करी का मामला नहीं बनता।

इन तथ्यों सहित पहलू खान के बेटों ने पांच तथ्यों पर फिर से जांच कराने का आग्रह किया था। इस पर बहरोड़ पुलिस ने अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) कोर्ट में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर पांच तथ्यों पर दोबारा जांच कराने की अनुमति मांगी है। इस प्रार्थना पत्र पर कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा। कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद पुलिस जांच कर पूरक चार्जशीट प्रस्तुत करेगी। इस मामले में राज्य के दो कैबिनेट मंत्रियों का कहना है कि मेव मुस्लिम समाज की नाराजगी को कम करने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस नेतृत्व ने यह कदम उठाया है। मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व नहीं मिलने से मेव समाज कांग्रेस से पहले से ही नाराज चल रहा है।

- मेव मुस्लिम समाज की नाराजगी को कम करने के लिए उठाया गया कदम
- कोर्ट में पेश किया गया प्रार्थना पत्र, आज होगी सुनवाई

कांग्रेस के नेताओं ने जताई थी नाराजगी : कांग्रेस विधायक साफिया जुबेर और जाहिदा सहित कई मुस्लिम खासकर मेव समाज के कांग्रेसी नेताओं ने पुलिस की चार्जशीट में पहलू खान को गोतस्कर बताए जाने पर नाराजी जताई थी और मामला कांग्रेस आलाकमान तक पहुंचा था। साफिया जुबेर का कहना है कि मैंने इस मामले में सीएम को पत्र लिखकर कहा था कि पुलिस ने गलत जांच कर चार्जशीट तैयार की थी, इसलिए फिर से जांच कराई जाए।

यह है मामला : पुलिस ने इस मामले में 24 मई को गुपचुप ढंग से चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें पहलू और उसके दो बेटों और ट्रक चालक को गोतस्करी का आरोपित बनाया था। पुलिस ने पहलू को राजस्थान बोवाइन एनिमल (प्रोहिबिशन ऑफ स्लॉटर एंड रेगुलेशन ऑफ टेंपरेरी माइग्रेशन एक्सपोर्ट) एक्ट-1995 की धारा 5, 8 और 9 के तहत आरोपी बनाया था। गौरतलब है कि पहलू खान की अलवर के बहरोड़ इलाके में अप्रैल, 2017 में कथित गो रक्षकों ने पीट-पीट कर हत्या कर दी थी।

सबसे बड़ी जंग

मिशन विश्वकप में नॉकआउट पंच की बारी

टीम इंडिया का मिशन वर्ल्डकप अब निर्णायक दौर में है। दो मैच बाकी हैं और विराट कोहली की टीम के पास इतिहास रचने का मौका है। विश्वकप के सेमीफाइनल मुकाबले रोमांच से भरे होंगे...

अभिषेक त्रिपाठी ● मैनचेस्टर

क्रिकेट के 12वें महाकुंभ के सेमीफाइनल मुकाबलों में दुनिया की शीर्ष-चार टीमें पहुंची हैं और अब ये फाइनल में पहुंचने के लिए एक-दूसरे के खिलाफ भिड़ेंगी। दशमलव अंक से पिछड़ने के कारण वनडे रैंकिंग में फिर से नंबर दो पर आई भारतीय टीम मंगलवार को मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में न्यूजीलैंड से भिड़ेगी। न्यूजीलैंड की टीम वनडे रैंकिंग में दशमलव के आधार पर ऑस्ट्रेलिया से आगे तीसरे स्थान पर है। वहीं, फिर से दुनिया की नंबर एक टीम बनी इंग्लैंड का मुकाबला गुरुवार को बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया से होगा।

शनिवार को भारत बनाम श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका मैच के बाद सेमीफाइनल की तस्वीर साफ हुई। भारतीय टीम श्रीलंका को सात विकेट से हराकर 15 अंकों के साथ विश्व कप की अंक तालिका में नंबर एक पर रही। वहीं, विश्व कप के आखिरी लीग मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका से 10 रन से हारने के कारण ऑस्ट्रेलिया 14 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर रहा। इंग्लैंड 12 अंकों के साथ तीसरे और न्यूजीलैंड 11 अंकों के साथ चौथे नंबर पर है। अंक तालिका में पहले नंबर की टीम को सेमीफाइनल में चौथे नंबर की टीम से भिड़ना होता है। वहीं, दूसरे नंबर की टक्कर तीसरे नंबर की टीम से होती है। इसमें से जो जीतेगा वो रविवार को फाइनल में लंदन के लॉर्ड्स स्टेडियम में आपस मे भिड़ेगा।

विराट कोहली

- भारत-न्यूजीलैंड के बीच कल होगा पहला सेमीफाइनल
- गुरुवार को दूसरे सेमीफाइनल में आमने-सामने होंगे ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड

केन विलियमसन दोनों फाइल फोटो

भारत अपना मुकाबला उस ओल्ड ट्रैफर्ड में खेलेगा जहां पर उसने लीग मुकाबले में पाकिस्तान को मात दी थी। इस मैदान पर भारत का ओवरऑल रिकॉर्ड 50-50 का है। भारत और न्यूजीलैंड की टीमें लीग स्तर पर आपस में नहीं भिड़ीं थीं। इन दोनों का मैच बारिश के कारण धुल गया था। विश्व कप इतिहास में टीम इंडिया ने अब तक सात सेमीफाइनल मुकाबले खेले हैं और चार में जीत हासिल की है, जबकि न्यूजीलैंड ने आठ सेमीफाइनल मैचों में महज एक में ही जीत दर्ज की है। एक तरह से न्यूजीलैंड को सेमीफाइनल का चोकर्स भी कहा जा सकता है।

भूली दास्तां फिर याद आ गई... पेज>>12

गढ़चिरौली नक्सली हमले से जुड़े पूर्व राकांपा नेता के तार

गढ़चिरौली, एएनआइ/प्रेट्र : महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में पुलिस दल पर एक मई को हुए नक्सली हमले के तार एक पूर्व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता से जुड़ गए हैं। इसका पर्दाफाश आठ आरोपितों की गिरफ्तारी के बाद पूछताछ के दौरान हुआ। सभी आरोपित 12 जुलाई तक पुलिस हिरासत में रहेंगे।

इस नक्सली हमले की जांच के दौरान पुलिस ने आठ लोगों को गिरफ्तार किया। उनसे जब पूछताछ की गई तो पता चला कि गिरफ्तार किया गया कैलाश रामचंदानी कुछ वक्त पहले तक राकांपा की तहसील इकाई का अध्यक्ष था। राकांपा की गढ़चिरौली जिला इकाई के अध्यक्ष रवींद्र वासेकर का दावा है कि रामचंदानी ने इसी साल मार्च में पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। उसने पार्टी के लिए समय न निकाल पाने की बात कही थी। वह पार्टी की स्थापना के समय ही इसका सदस्य था।

गौरतलब है कि नक्सलियों ने गढ़चिरौली में लैंडमाइन विस्फोट कराकर उस वाहन को उड़ा दिया था, जिसमें पुलिसकर्मी सवार थे। इसमें 15 पुलिसकर्मियों व गाड़ी के चालक की मौत हो गई थी।

एयरपोर्ट के टैक्सी-वे पर जमे नाराज यात्री

लखनऊ में चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट पर 180 यात्रियों को इंडिगो एयरलाइंस की बदइंतजामी का शिकार होना पड़ा। रविवार शाम साढ़े सात बजे की चेन्नई की उड़ान का समय बिना पूर्व सूचना के तीन बार आगे बढ़ाया गया। रात नौ बजे विमान में ले जाकर यात्रियों को बैठाया, मगर एसी फेल था। कुछ ही देर में यात्री गर्मी से बेहाल होकर हंगामा करने लगे। विमान का दरवाजा खोलकर वे टैक्सी-वे पर उतर आए और घंटों फंसे रहे। बाद में परेशान हाल बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को बसों से शेड्यूल होल्डिंग एरिया में ले जाकर बैठाया गया। देर रात तक विमान उड़ान नहीं भर सका था। यात्रियों का आरोप है, शिकायत पर उनके साथ बदसुलूकी भी की गई। जागरण